हुनरमंदों का होगा आने वाला वक्त : मोदी

पांचवें कौशल दीक्षा समारोह में युवाओं को सम्मानित कर बोले प्रधानमंत्री

- कागजी सर्टिफिकेट वालों को नहीं, कौशल को सम्मान देकर ही आगे बढ़ेगा भारत
- आईटीआइ को आधुनिक बनाने को पीएम सेतु योजना में 60 हजार करोड़ खर्च



लखनऊ में शनिवार को इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में कौशल दीक्षा समारोह में छात्र को सम्मानित करते प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, साथ में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ● सूचना विज्ञान

राज्य ब्यूरो, जागरण ● लखनऊ: प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने पूर्व में देशवासियों से पीएसयू में निवेश और सोने की कम खरीद वाले आह्वान और उससे हुए फायदे की याद दिलाते हुए शनिवार को कहा कि अब मैं एक और बात कहने जा रहा हूं, भविष्य में कोट, पैंट, टाई पहनकर कागजी डिग्री लेकर घूमने वालों से ज्यादा कद्र हुनरमंद युवाओं की होगी। देश में एक दौर कागजी सर्टिफिकेट का भले रहा हो, लेकिन अब वक्त बदल रहा है। आइआइटी व आइटीआइ को एक समान बताते हुए कहा कि यही मेरे देश की अमानत, सामर्थ्य और भविष्य हैं। युवाओं को भरोसा दिलाते हुए कहा, 'आपके सामने इस समय पूरा आसमान है। बड़े सपने देखिए, कौशल का विकास करिए और अपने सपनों को पूरा करने के लिए पूरी ताकत लगा दीजिए। कभी यह महसूस मत कीजिए कि आप अकेले हैं। जब भी आपको लगेगा कि आप अकेले हैं, आप सोच लेना कि मैं आपके साथ खड़ा हूं।'

इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में आयोजित पांचवें राष्ट्रीय कौशल दीक्षा समारोह को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री ने युवाओं में नया जोश और आत्मविश्वास भरा। साथ ही विधानसभा चुनाव के लिए अब और तब याद दिलाने की रणनीति को भी आगे बढ़ाया और बिना नाम लिए पूर्व की सरकारों के कार्यकाल पर भी निशाना साधा। प्रदेश की कानून व्यवस्था की तारीफ करते हुए मोदी ने अपने संसदीय क्षेत्र काशी की एक युवती द्वारा बताए हुए अनुभव को साझा करते हुए कहा कि वह फैक्ट्री से काम कर रात 11 बजे सुरक्षित घर पहुंचती है। सूरज ढलने के बाद बेटी के सुरक्षित घर पहुंचने का महत्व उत्तर प्रदेश वाले अच्छी तरह जानते हैं। प्रधानमंत्री ने याद दिलाया कि वर्ष 2023 में संसद में उन्होंने सरकारी कंपनियों यानी पीएसयू में निवेश की बात कही थी, जिसका लोगों ने मजाक उड़ाया, लेकिन निवेश करने वाले मालामाल हो गए। इसके बाद एक वर्ष पहले देशवासियों से अनावश्यक सोना न खरीदने का आग्रह किया था। देशवासियों ने उनकी बात मानी, सोना कम खरीदा और सोने के दाम टूट गए। आज लोग कहते हैं कि मोदी जी की बात मानकर उनके पैसे बच गए।

उन्होंने कहा कि आक्रांताओं ने भारत की समृद्धि नष्ट करने के लिए कारीगरों के अंगूठे काटे और अंग्रेजों के दौर में मैकाले ने ऐसी शिक्षा व्यवस्था थोपी, जिसने कौशल को कुचलकर केवल कागजी क्लर्क बनाने की मानसिकता पैदा की। उन्होंने समाज में व्याप्त उस मानसिकता को बदलने का आह्वान किया, जिसमें आइटीआइ में प्रवेश लेने वाले युवाओं को कमतर समझा जाता है। दादा धर्माधिकारी का प्रसंग सुनाते हुए कहा कि व्यावहारिक कौशल ही जीवन को आगे बढ़ाता है। मोदी ने कहा कि अलग कौशल मंत्रालय और नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति से कौशल विकास को सम्मान मिला है। वर्ष 2014 के बाद करीब 5000 नए आइटीआइ बने, छात्रों की संख्या पांच लाख से अधिक बढ़ी और बेटियों की भागीदारी ढाई गुणा हुई है। आइटीआइ में एयरोनाटिकल स्ट्रक्चर, एआइ असिस्टेंट, साइबर सिक्योरिटी, ड्रोन, एनीमेशन व स्पेशल इफेक्ट्स और सेमीकंडक्टर जैसे 30 से अधिक न्यू एज ट्रेड्स पढ़ाए जा रहे हैं। भारत के व्यापार समझौतों व एफटीए से युवाओं के लिए वैश्विक अवसर खुल रहे हैं। आइटीआइ को आधुनिक करने के लिए पीएम सेतु योजना के तहत 60 हजार करोड़ रुपये खर्च किए जा रहे हैं।

प्रधानमंत्री ने रोजगार की संभावनाओं को समझाने के लिए पीएनजी कनेक्शन का उदाहरण दिया। पश्चिम एशिया में युद्ध और होर्मुज संकट के कारण गैस आपूर्ति को लेकर बनी अनिश्चितता के बीच सरकार ने शहरों में प्रतिदिन एक लाख पीएनजी कनेक्शन देने का लक्ष्य तय किया था। समीक्षा में पता चला कि प्लंबरों की कमी के कारण लक्ष्य हासिल नहीं हो रहा था। यह उदाहरण बताता है कि देश में कुशल कामगारों की कितनी बड़ी जरूरत है। सोलर पावर, खेल उपकरण जैसे क्षेत्रों में भी रोजगार के नए अवसर तेजी से बढ़ रहे हैं।

संबंधित सामग्री >> पेज 23 और जागरण सिटी III

जेन-जी से सीधा कनेक्ट, विपक्ष के कई नैरेटिव कमजोर कर गए प्रधानमंत्री मोदी >> पेज 13

ये भी बोले पीएम

- मेरी अपील पर सोना कम खरीदा तो अब गिरे दाम, लोगों ने कहा-मोदी ने पैसे बचा दिए
- आइआइटी-आइटीआइ एक समान, यही देश की अमानत, सामर्थ्य और भविष्य
- पहले युवाओं के लिए उत्तर प्रदेश में थी अवसरों की कमी, डबल इंजन सरकार ने बदली राज्य की तस्वीर
- कानून व्यवस्था की तारीफ, उप्र वाले जानते हैं सूरज ढलने के बाद बेटी के सुरक्षित घर पहुंचने का अर्थ
- अब उप्र में बन रही आपरेशन सिंदूर वाली ब्रह्मोस मिसाइल, विकास का प्रतीक बना प्रदेश

5,000 बने नए आइटीआइ
वर्ष 2014 के बाद, छात्रों की संख्या पांच लाख से अधिक बढ़ी

राष्ट्रीय कौशल प्रशिक्षण योजना के उत्तर प्रदेश के मेधावी

लखनऊ: अब्दुल मोबिन (मैकेनिक डीजल), शहबाज खान (इलेक्ट्रानिक्स मैकेनिक), प्राची विश्वकर्मा (ड्रेस मेकिंग) और केएम प्रतिभा (इलेक्ट्रीशियन)।

फैजाबाद: काजल महावर (पेंटर जनरल)। **देवरिया:** नितेश चौरसिया (फिटर)।

नोएडा: संध्या देवी (इनफार्मेशन टेक्नोलाजी)।

विकसित भारत की रीढ़ बनेंगे स्किल इंडिया से प्रशिक्षित युवा

मुख्यमंत्री बोले

- भारत दुनिया का सबसे युवा देश, उत्तर प्रदेश है देश का सबसे युवा प्रदेश
- कहा-कौशल मिशन से 17 लाख युवा प्रशिक्षित, सात लाख को कैंपस से मिली नौकरी

राज्य ब्यूरो, जागरण ● लखनऊ: मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा है कि स्किल इंडिया से प्रशिक्षित युवा वर्ष 2047 तक विकसित और आत्मनिर्भर भारत के निर्माण की रीढ़ बनेंगे। युवाओं को उद्योगों की जरूरत के अनुरूप कौशल देकर रोजगार और स्वरोजगार के अवसर उपलब्ध कराना सरकार की प्राथमिकता है।

इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में पांचवें कौशल दीक्षा समारोह में उन्होंने कहा कि भारत दुनिया का सबसे युवा देश और उत्तर प्रदेश देश का सबसे युवा प्रदेश है। प्रदेश में 17 लाख से अधिक युवाओं को उत्तर प्रदेश कौशल विकास मिशन के तहत प्रशिक्षित किया गया, जबकि सात लाख से अधिक युवाओं को कैंपस चयन के माध्यम से नौकरी मिली है। यहां युवाओं की बड़ी आबादी को कौशल और अवसरों से जोड़ना प्रदेश व देश की अर्थव्यवस्था को नई ताकत देगा।

मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री की तारीफ करते हुए कहा कि उन्होंने वर्ष 2015 में विश्व युवा कौशल दिवस पर स्किल इंडिया महाभियान आरंभ कर युवाओं की प्रतिभा को मंच दिया। इसका उद्देश्य मन से हताशा दूर कर उन्हें क्षमता अनुरूप अवसर उपलब्ध कराना है। भारतीय मनीषा का उद्घोष 'अयोग्यो पुरुषो नास्ति, योजकस्तत्र दुर्लभः' यही संदेश देता है कि कोई व्यक्ति अयोग्य नहीं होता, जरूरत केवल सही मार्गदर्शन और अवसर की होती है।

अंदर पढ़ें

बाराबंकी में एंबुलेंस पिकअप से जा टकराई, पांच की मौत

बाराबंकी: पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे पर शनिवार को हादसे में एंबुलेंस चालक समेत पांच की मौत हो गई। जयपुर से एक शव लेकर एंबुलेंस बंगाल जा रही थी। सुबह साढ़े छह बजे सुबेहा के गैरवां के पास एंबुलेंस पिकअप से टकरा गई। हादसे में बंगाल के तीन व राजस्थान के दो लोगों की जान चली गई। ● पेज 11

हर सड़क व कोना वाणिज्यिक बनाना विनाश की योजना

प्रयागराज: इलाहाबाद हाई कोर्ट ने कहा है कि ऐसा मास्टर प्लान जो शहर की हर सड़क और हर कोने को वाणिज्यिक बना दे, वह आने वाली पीढ़ी के लिए विनाश की योजना है। कोर्ट ने कहा कि आवासीय क्षेत्र उसकी सांस लेने वाले फेफड़े होते हैं, नहीं तो भारी जाम और प्रदूषण होता है। ● पेज 15

मुख्यमंत्री की मां पंचतत्व में विलीन, छोटे बेटे ने दी मुखाग्नि

हरिद्वार: मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की दिवंगत माता सावित्री देवी का हरिद्वार के नमामि गंगे घाट पर अंतिम संस्कार किया गया। उनके सबसे छोटे पुत्र महेंद्र सिंह बिष्ट ने मुखाग्नि दी। मां को अंतिम विदाई देते समय मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ भावुक हो गए। ● पेज 23

महासमर ● 13

ब्रज क्षेत्र विश्लेषण: अयोध्या जैसा ताप नहीं, लेकिन मथुरा से पिघलेंगे सियासी समीकरण

सीटों पर दावेदारी को सहयोगियों ने भाजपा नेतृत्व से बढ़ाई मुलाकातें

अयोध्या और काशी जैसी गलती मथुरा में मत कर देना: आराधना

कई सीटें जीत सकती है कांग्रेस इसी पर होगी चर्चा: अखिलेश